Haryana Government Gazette

Published by Authority

© Government of Haryana

No. 16-2019] CHANDIGARH, TUESDAY, APRIL 16, 2019 (CHAITRA 26, 1941 SAKA)

PART-I

Notifications, Orders and Declarations by Haryana Government

हरियाणा सरकार

पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग

अधिसूचना

दिनांक 30 जनवरी, 2019

संख्या 19/8–2018–पुरा/5007–II.— चूंकि हरियाणा के राज्यपाल की राय है कि नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेषों तथा प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारकों का पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20) के अधीन संरक्षण अपेक्षित है।

इसलिए, अब, पंजाब प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक तथा पुरातत्वीय स्थल तथा अवशेष अधिनियम, 1964 (1964 का पंजाब अधिनियम 20), की धारा 4 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, हरियाणा के राज्यपाल, इसके द्वारा नीचे दी गई अनुसूची के खाना 1 में विनिर्दिष्ट प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक को संरक्षित संस्मारक के रूप में तथा उक्त अनुसूची के खाना 2, 3, 4, 5, तथा 6 में विनिर्दिष्ट पुरातत्वीय स्थलों और अवशेषों को संरक्षित क्षेत्र के रूप में घोषित करने का प्रस्ताव करते हैं।

इसके द्वारा नोटिस दिया जाता है कि इस अधिसूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तिथि से दो मास की अवधि की समाप्ति पर या के पश्चात् सरकार, ऐसे आक्षेपों या सुझावों यदि कोई हो, सहित, जो अपर मुख्य सचिव, हरियाणा सरकार, पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, चण्डीगढ़ द्वारा, प्रस्ताव के सम्बन्ध में किसी व्यक्ति से इस प्रकार विर्निर्दिष्ट अवधि की समाप्ति से पूर्व प्राप्त किए जायें, विचार करेगी।

अनुसूची

प्राचीन तथा ऐतिहासिक संस्मारक का नाम	पुरातत्वीय स्थलों तथा अवशेष का नाम	गांव / शहर का नाम	तहसील/ जिला का नाम	संरक्षणाधीन राजस्व खसरा/ किला संख्या	संरक्षित किया जाने वाला क्षेत्र	स्वामित्व	विशेष कथन
1	2	3	4	5	6	7	8
प्राचीन स्थल धरोन्धखेड़ा	प्राचीन स्थल धरोन्धखेड़ा	धरोन्धखेड़ा	उच्चाना, जींद	53	कनाल – मरला 568 – 2	नगर पंचायत	धरोन्धखेड़ा, जो नचर खेड़ा के नाम से लोकप्रिय है, एक प्रारम्भिक ऐतिहासिक जगह है, जिसका प्रमाण टेराकोटा लघु मुर्तियों, पुरानी इंटों, मिट्टी के बर्तनों, टेराकोटा प्लाक इत्यादि जैसी खोजी गई कलाकृतियों से स्पष्ट होता है। पूर्व मौर्यकाल से गुप्तकाल तक के पुरातत्विक अवशेष 1960 के शुरूवाती अन्वेषेण के दौरान पाए गए, जो कि लगभग 900 वर्ष लम्बे सांस्कृतिक अनुक्रम को दर्शाते है।

धीरा खण्डेलवाल,
अपर मुख्य सचिव हरियाणा सरकार,
पुरातत्व तथा संग्रहालय विभाग, चण्डीगढ़।

HARYANA GOVERNMENT

ARCHAEOLOGY AND MUSEUMS DEPARTMENT

Notification

The 30th January, 2019

No. 1918-2018-Pura/5007-II.— Whereas the Governor of Haryana is of the opinion that archaeological sites and remains and ancient and historical monuments specified in column 1of the Schedule given below requires protection under the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964);

Now, therefore, in exercise of the powers conferred by Sub-section (1) of section 4 of the Punjab Ancient and Historical Monuments and Archaeological Sites and Remains Act, 1964 (Punjab Act 20 of 1964), the Governor of Haryana hereby proposes to declare the Ancient and Historical Monuments specified in column 1 of Schedule given below, to be protected monuments and the archaeological sites and remains specified in columns 1, 2, 3, 4, 5 and 6 of said Schedule to be protected area.

Notice is hereby given that the proposal shall be taken into consideration by the Government on or after the expiry of a period of two months from the date of publication of this notification in the Official Gazette, together with objections or suggestions, if any, which may be received by the Additional Chief Secretary to Government, Haryana, Archaeology and Museums Department, Chandigarh from any person with respect to the proposal before the expiry of the period so specified:-

SCHEDULE

Name of ancient and historical monuments	**Name of archaeological sites and remains**	**Name of village/ city**	**Name of tehsil and district.**	**Revenue Khasra / Kila number under protection.**	**Area to be protected**	**Ownership**	**Remarks**
1	2	3	4	5	6	7	8
Ancient site at Dhrondkhera	Ancient site at Dhrondkhera	Dhrond khera	Uchana, Jind	53	Kanal - Marla 568 - 2	Nagar Panchayat	Dhrondkhera, popularly known as Nachar khera, is an early historic settlement as evident from explored artefacts like terracotta figurines, burnt bricks, ceramics, terracotta plaque etc. Archaeological remains belonging to Pre Mauryan to Gupta period are recovered during early explorations in 1960s, which signifies long cultural sequence for nearly 900 years.

DHEERA KHANDELWAL,
Additional Chief Secretary to Government Haryana,
Archaeology and Museums Department.

56971—C.S.—H.G.P., Chd.